Rajbhawan Uttarakhand-Information Wing

Governor Greets people of Uttarakhand on state foundation day

Raj Bhawan, Dehradun , 8th November, 2016

Uttarakhand GovernorDr.K.K.Paul has greeted the people of the state on the 16th anniversary of its foundation day.

He paid tributes to the activists and martyrs of the movement for a separate hill state and congratulated all the citizens for their support in the creation and development of the state .

He expressed his respects for the soldiers from the state who had laid down their lives while defending the borders of the country. He said that it was a matter of prid that almost every family in the state had some member serving in the armed forces.

He said the anniversary of the state foundation gave us the opportunity every year to review the issues that had made the people of the region feel the need for creating a separate hill state .

We must assess honestly the progress being made in 16 years and how far have we been able to come up to the aspirations which people had while making efforts for a separate state.

He said development would be meaningful only when the poorest person in the state would be able to live a better and respectable life. He said it was necessary to ensure that the administration be made sensitive, disciplined and transparent so that people could benefit from the progress being made.

The Governor expressed satisfaction at the increasing literacy rate in the state but also expressed concern at the gender ratio in the state .He said that infant and maternal mortality rate needed to be minimised .people needed to be made more aware about the malnourishment and anaemia that prevailed among women and children in the far off hill areas .better health care facilities were needed and monitoring was a must.

He said that the importance of cleanliness would have to be understood in order to achieve a healthy life .lack of cleanliness led to diseases .He said that the Swachh Bharat mission should be contributed to by each citizen.Due to lack of cleanliness ,Dengue spread the most in Dehradun city this year.

The Governor said that there were great possibilities of developing tourism in the state and youth needed to be involved in tourism development.

He said road must be strengthened and expaned to boost the state's economy. A planned strategy was required to tackle the natural disasters so that there was no problems for people of the state, pilgrims and tourists. He said women of the state had contributed greatly in the formation of the state and we must make efforts to ensure that their lives could become easier. Natural resources must be used in a balanced way to take the state ahead.

He said advances in education were a must as education was a strong medium for progress and development .It was a challenge to provide good education in remote areas of the state as there were not adequate teachers in those areas. Substantial planning an a strong will power are required to meet this challenge . Special focus is needed towards higher education, technical education and employment-oriented courses.

He said that peoples' support and participation was needed for the success of any scheme, be it for infrastructure, education, cleanliness or security .Active participation and awareness of people was required.

.....0.....

IO , Rajbhawan Uttarakhand **Mob- 7055007013** **Teli fax 0135–2756172**

सत्यमेव जयते

राजभवन सूचना परिसर, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड राज्य स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर प्रदेश की जनता को राज्यपाल ने दी शुभकामनाएं

राजभवन देहरादून, 08 नवम्बर, 2016

उत्तराखण्ड के राज्यपाल डॉ0 कृष्ण कांत पाल ने राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर सभी प्रदेशवासियों को राज्य स्थापना की 16वीं वर्षगांठ की शुभकामनाएं दी।

उन्होंने राज्य गठन के 16 वर्ष पूरे होने के अवसर पर राज्य गठन के शहीदों व आन्दोलनकारियों को श्रद्धा पूर्वक नमन करते हुए राज्य के सभी नागरिकों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने उत्तराखण्ड के गठन और विकास में अपना सहयोग देने वाले सभी नागरिकों को बधाई दी। प्रदेश के लगभग प्रत्येक परिवार के किसी न किसी सदस्य द्वारा देश व राज्य की सीमाओं की सुरक्षा के लिए दी जा रही सेवाओं एवं शहादत को मेरा शत्–शत् नमन।

उन्होंने कहा कि राज्यगठन की प्रत्येक वर्षगांठ हमें उन स्थितियों पर पुनः विचार करने का मौका देती है जिनके कारण देवभूमि की जनता ने एक अलग राज्य की जरूरत महसूस की। यह दिन, अलग राज्य चाहने वाली जनता की आशाओं व अपेक्षाओं के मुताबिक सोलह वर्षों में किए गए प्रयासों की सफलता का ईमानदारी से आकलन करने का अवसर है। इसी से हमें पता चलेगा कि जनता की मुश्किलों का समाधान करने की दिशा में हमने कितने कदम बढ़ाये हैं।

विकास तभी सार्थक होगा जब राज्य के गरीब से गरीब व्यक्ति को भी एक बेहतर व सम्मानित जीवन जीने का अवसर मिले जो उसका हक भी है। जनता की उम्मीदों की कसौटी पर खरा उतरने के लिए सभी क्षेत्रों की सेवाओं में, प्रशासनिक तंत्र को संवेदनशील, अनुशासित और पारदर्शी बनाया जाना नितान्त आवश्यक है।

प्रदेश की साक्षरता दर बढ़ना सुखद है किन्तु लिंगानुपात में आई गिरावट चिंता का विषय है। शिशु तथा मातृत्व मृत्युदर को भी न्यूनतम करने पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। पहाड़ व दूर दराज के क्षेत्रों के बच्चों में कुपोषण, महिलाओं में खून की कमी तथा भ्रूण हत्या जैसी अन्य सामाजिक समस्याओं से निपटने के लिए जनता को जागरूक करने के साथ ही इन इलाकों में चिकित्सा सुविधाओं में सुधार तथा निरन्तर मानीटर किये जाने की भी जरूरत है।

स्वस्थ जीवन के लिए स्वच्छता के महत्व को सभी को समझना होगा। स्वच्छता के अभाव में बीमारियाँ पनपती हैं। स्वच्छता अभियान को जन–अभियान बनाने के लिए प्रत्येक नागरिक की भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। स्वच्छता व जागरूकता के अभाव के कारण ही इस वर्ष डेंगू के प्रकोप से देहरादून शहर सबसे ज्यादा प्रभावित रहा।

प्रदेश में पर्यटन विकास की असीम सम्भावनाएं हैं। अवस्थापना विकास तथा युवाओं के सहयोग से उन्हें धरातल पर उतारने का प्रयास करना होगा। प्रदेश की आर्थिक उन्नति में सहायक पर्यटन व्यवसाय को प्रोत्साहित करने के लिए सड़क जैसी अन्य बुनियादी सुविधाओं का सुदृढ़ होना जरूरी है। बार–बार आने वाली दैवीय आपदाओं से उत्पन्न चुनौतियों का सामना करने के लिए योजनाबद्ध रणनीति तथा वैज्ञानिक प्रबंधन की आवश्यकता है ताकि यात्रियों और पर्यटकों पर कोई विपरीत प्रभाव न पड़े।

राज्यगठन में महत्वपूर्ण योगदान देने तथा विश्व में पर्यावरण जागरूकता का संदेश देकर अपनी प्रगतिशीलता साबित करने वाली पहाड़ की महिलाओं के कठिन जीवन को सरल बनाने के प्रयासों में अभी और तेजी लानी है।

प्रदेश के जल, जंगल और जमीन जैसे प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित उपयोग से उत्पन्न आय के स्रोतों द्वारा राज्य को प्रत्येक क्षेत्र में अपने पैरों पर खड़ा करने का हमारा लक्ष्य है।

किसी भी समाज, राज्य या देश की तरक्की में शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण है। चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करते हुए भविष्य की योजनाएं बनाने का सबसे सशक्त माध्यम शिक्षा ही है। दूर–दराज के इलाकों में प्रत्येक स्तर पर अच्छी शिक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करना आज भी सबसे बड़ी चुनौती दिखाई दे रही है क्योंकि अधिकतर स्कूलों में आज भी पर्याप्त संख्या में शिक्षक नहीं हैं। पहाड़ के दूरस्थ क्षेत्रों में यह समस्या और भी जटिल है। इसके समाधान के लिए दृढ इच्छाशक्ति व ठोस उपायों की जरूरत है। रोजगार तथा स्वरोजगार के माध्यम से युवाओं का भविष्य सुनिश्चित करने के लिए उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं व्यावसायिक शिक्षण–प्रशिक्षण के क्षेत्र में विशेष ध्यान केन्द्रित करने की आवश्यकता है।

बिना जनता के सहयोग के किसी भी योजना की शत–प्रतिशत सफलता की कल्पना नहीं की जा सकती, चाहे वे बुनियादी सुविधाओं के विकास व विस्तार की योजनायें हों या स्वच्छ व सुरक्षित जीवन से जुड़े कार्यक्रम हो अथवा राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मानक बनाने सम्बन्धी शिक्षा से जुड़े कार्यक्रम हों। सभी योजनाओं को सफलता से लागू करने के लिए जनता की जागरूकता और सक्रिय भागीदारी जरूरी है।

.....0.....

IO , Rajbhawan Uttarakhand **Mob- 7055007013** **Teli fax 0135–2756172**